धन्य मुनीश्वर | By B. R. Nagina

धन्य मुनीश्वर छोड़ा सब संसार
मखमल पर सोने वाले प्रभु छोड़ दिया घर बार

धन छोड़ा वैभव सब छोड़ा समझा जगत आसार
राग द्वेष सब तुमने त्यागे थाम लिया पतवार
धर्म की नैया पार लगाए गूँज उठा संसार

काया की ममता को तारी सहन पड़ी सेहभारी
पंच महाव्रत के हो धारी तीन रतन भंडारी
आत्म स्वरुप में झुलस करते निज आतम उद्धार

प्रभु अरिहंत की मूरत ऐसी भूले नहीं भुलाये
परमात्मा के हो अनुरागी हम तेरे गुण गाये
ज्ञान प्रकाशी शिवपुर वासी अविनाशी अविकार

तज के सारी दुविधाओं को जो निज आतम ध्यावे
धन्य धन्य नर जीवन उसका परम आनंद वो पावे
सात सदेश सुना भवि जन का करते बेडा पार

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a7%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%af-%e0%a4%ae%e0%a5%81%e0%a4%a8%e0%a5%80%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%b5%e0%a4%b0-by-b-r-nagina/